

Entry

अंचल अधिकारी का कार्यालय, बलियापुर (धनबाद)

जमावदी रयत अभिलेख वाद सं- 181 / 2016-17

वाद का प्रकार - बिहार (आरक्षण) ग्रूने सुधार अधिनियम 1950 की धारा 4(a) के तहत रयत एव कारंवाई से संबंधित।

19/11/16

आरक्षण चरकर के सामंज-2074/रा०, दिनांक 13.05.2016 सम्बंधित को अनुसूचि मुखर्जी निदेशक, यू-वर्जन-सह-विशेष सचिव, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग का एन सं०-3-खाज्म/निति-113/85/2308/रा०, दिनांक 03.09.1985 एवं सह-पटिल राजस्व विभागीय परिष्कार सं०-914/रा० दिनांक 09.12.1998 में निर्देश निदेशक अनुपालन में गैरमजबूती शर्त भूगो की शायम की गयी जमावदी की लॉक पाठम को एडि जोड क्रम में हल्का कर्मचारी एवं अंचल निरीक्षक द्वारा प्रतिबंधित किया गया है कि निम्नांकित दिखरणी की भूमि-

भूमि खैरवा खण्ड सं० 42 खंड सं० 436 खंड सं० 138
रकबा 0.50 एकड़ भूमि जो खैरवा खण्ड खैरवा विभाग (आरक्षण) सरकार के खाले की सरकारी भूमि है जिसको जमावदी उस खाले के खाले-11 पर जमावदी रयत दाकिम मोंगी, 10 मीर मोंगी के नाम से आवक है।
खैरवा खैरवा

हल्का कर्मचारी एवं अंचल निरीक्षक द्वारा अधिनियम अनुसूचि दिखरणी को भूमि-क विरुद्ध कायम जमावदी का रयत प्रतिबंधित किया गया है।

हल्का कर्मचारी एवं अंचल निरीक्षक द्वारा सम्बंधित खाले खानेका से प्रतीत होता है कि उपर्युक्त जमावदी विना रयत पदाधिकारी के अंशक/अंशक यदावर्ती के आवर पर/अंशक कोडकर बन्दावर्ती के अंशक पर/अंशक खाले निर्वाला के आवर पर/अंशक हुदुभनाम के आधार पर कायम की गई है जिसका उद्देश्य निम्नो लॉक एवं राज्य की शक्ति कारित करना है।

प्रथम दृष्टया उपर्युक्त से स्पष्ट होता है कि उपर्युक्त खाले की जमीन को रयत जमावदी अंशक प्रतीत होती है जिसका खाले (आरक्षण) ग्रूने सुधार अधिनियम 1950 की धारा 4(a) के तहत रयत अधिनियम नाम वाधनीय प्रतीत होता है।

अतएव संबंधित जमावदी रयत को अंशक खाले का उपर्युक्त कृ.क.क. सं. संख्या मूल शरतान्जो/निर्गत खाने-रयत की भाग जोर तथा रयत कायम भूकाल कर्म नि जोर रयत जमावदी को अंशक मानते हुए बिहार (आरक्षण) ग्रूने सुधार अधिनियम 1950 की धारा 4(a) के तहत रयत अधिकार को रद्द करने हेतु अनुसूचि निदेशक कायम।

अभिलेख दिनांक..... को उपरोक्त को

लेखापित एवं सहायित

अंचल अधिकारी
बलियापुर।

19/11/16
अंचल अधिकारी
बलियापुर


19/11/16
अंचल अधिकारी
बलियापुर

118/16

अज्ञितव उपलब्धि किता गजा / जमावकी
रेम के वंशज द्वारा व्यापार में उपलब्ध
होकर उपरोक्त श्री से संवत् १९७०
व-देवली केसा सं ६ (11) / 70-71 की धारा
प्रति एक लागत रशीद वर्ष 1996 तक
की धारा प्रति समर्पित किता गजा है।

अतः अज्ञितव काटि वत्तु है।

अज्ञितव श्री सुप्यार उप समाहिता,
व्यवसाय का संकेत।


सं-धन अज्ञितवरी
बलिपपुर

बन्धु प्रेमिताय सह्या-

181

2011 (अप्रै) 11 अंक - भा. 1528 अ. 1930
मुद्रण

नाम

हाकिम मौली, पिठ गीठ मौली
काठ जिला

जिला

42

साथ इस आवका सुविधा निम्न जाय है कि
कल नं- 138 कल नं- 0.50 एन
कल नं- II के पन्ने-11 नाम
सालख केन्द्रवासी ने अचल भित्तिगत क मकान में सीमांकन करवाये जानेवाले किताब

अथवा शेष उक्त संवत् में दिनांक 18/11/60 को जारी की गई थी।
भूमि का विवरण- भूमि बंदोबस्त से सम्बन्धित दस्तावेजों का सूचीबद्ध प्रमाणित रूप में प्रस्तुत किया गया है।
समीची, नाम M एवं सरकार में जायदाद के विवरण एवं क मकान का विवरण प्रमाणित रूप में प्रस्तुत किया गया है।
समीची विवरण प्रमाणित रूप में प्रस्तुत किया गया है।
भूमि का क्षेत्र की मुराद करता है। क मकान का विवरण प्रमाणित रूप में प्रस्तुत किया गया है।
इस संवत् प्रमाणित करें।

अथवा यह कि अथवा के विवरण में संवत् 1960 में जारी की गई थी।
नाम M एवं सरकार में जायदाद के विवरण एवं क मकान का विवरण प्रमाणित रूप में प्रस्तुत किया गया है।
समीची विवरण प्रमाणित रूप में प्रस्तुत किया गया है।
भूमि का क्षेत्र की मुराद करता है। क मकान का विवरण प्रमाणित रूप में प्रस्तुत किया गया है।
इस संवत् प्रमाणित करें।

तारीख-

मुद्रण

स्थान-

18/11/60
हाकिम मौली

हाकिम मौली

Naresh Kumar

नाथि नथिना ठीम
पौ. 24 मण्डला